व्यापार भी चलेगा, वाहन भी दौड़ेंगे, एलिवेटेड ब्रिज बनेगा मॉडल प्रोजेक्ट

- श्रद्धालुओं की सुविधा और शहर का विकास, बदलेगी तस्वीर
- निकास चौराहा से इंदौर गेट तक एलिवेटेड ब्रिज की फाइल चली
- 1050 करोड़ से टेंडर निकालने की तैयारी

नवभारत न्यूज

उज्जैन. मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा घोषित एलिवेटेड ब्रिज योजना अब तेजी से धरातल पर उतरती नजर आ रही है. 13 मई 2025 को मुख्यमंत्री ने उज्जैन में एलिवेटेड ब्रिज निर्माण की घोषणा की थी.

सीएम की घोषणा का उद्देश्य विकास को गति देना, ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाना और श्रद्धालुओं व व्यापारियों दोनों को राहत देना है. अब इस ऐतिहासिक योजना के लिए टेंडर प्रक्रिया की तैयारी शुरू हो चुकी है और लोक निर्माण विभाग की सेतु निगम टीम लगातार सर्वे व तकनीकी कवायद में जुटी हुई है.

ऊपर गाड़ियां, नीचे व्यापार- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पष्ट किया था कि एलिवेटेड ब्रिज इस तरह बनाया जाएगा कि नीचे व्यापार निर्बाध चलता रहे और ऊपर से वाहनों की आवाजाही हो सके. भविष्य की जरूरतों को देखते हुए इसी ब्रिज के ऊपर पिलर जोड़कर

मेट्रो संचालन की भी प्लानिंग की जाएगी. उस समय यह घोषणा कई लोगों को असंभव सी लगी थी, लेकिन अब उज्जैन को तेजी से विकास के पंख लगते दिखाई दे रहे हैं.

निकास से इंदौर गेट तक ब्रिज- निकास चौराहा से बुधवारिया होते हुए इंदौर गेट तक एलिवेटेड ब्रिज बनाने की योजना पर गंभीरता से काम चल रहा है. मुख्यमंत्री ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना सैनिक भेजे रावलपिंडी में हमला कर दिया, तो उज्जैन में भी बिना किसी मकान को छुए ऊपर ही ऊपर एलिवेटेड ब्रिज बनाया जाएगा. इस सोच के पीछे यही मंशा है कि नीचे कारोबार चलता रहे और ऊपर से ट्रक व अन्य भारी वाहन गुजर सकें.

कमिश्नर कलेक्टर जुटे -कलेक्टर रोशन कुमार सिंह से लेकर सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह तक इस परियोजना को लेकर पूरी शिद्दत से लगे हुए हैं. सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए सर्वे कार्य लगातार जारी है, ताकि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के दौरान ट्रैफिक दबाव को कम किया जा सके.

महामृत्युंजय द्वार से हरिफाटक तक

इसी तरह इंदौर रोड पर महामृत्युंजय द्वार से हरी फाटक ब्रिज तक एलिवेटेड ब्रिज निर्माण के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिए हैं. इस परियोजना की ड्राइंग और डिजाइन एमपीआरडीसी द्वारा तैयार की जा रही है. अनुमान है कि वर्ष 2028 में इसी मार्ग पर सबसे अधिक ट्रैफिक लोड रहेगा. इंदौर-उज्जैन फोरलेन को सिक्स लेन में बदला जा रहा है, जिसका लगभग 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है. इसी सिक्स लेन के ऊपर एलिवेटेड ब्रिज का निर्माण प्रस्तावित है.

सिंहस्थ में बहुउपयोगी

मकोडिया आम चौराहे से चामुंडा चौराहे तक प्रस्तावित एलिवेटेड ब्रिज की लंबाई लगभग 3 .5 किलोमीटर और चौड़ाई करीब 25 मीटर होगी. वहीं निकास चौराहे से इंदौर गेट तक बनने वाला एलिवेटेड ब्रिज डेढ़ किलोमीटर से अधिक लंबा और लगभग 11 मीटर चौड़ा होगा, जो टू लेन रहेगा. इस पूरे प्रोजेक्ट को लेकर मंथन अंतिम चरण में है और सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए टेंडर प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी.

1050 करोड़ से निर्माण-लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री अवनेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों एलिवेटेड ब्रिज की कुल लागत लगभग 1050 करोड़ रुपये होगी, जिसमें भूमि अधिग्रहण और निर्माण कार्य दोनों शामिल हैं. यदि सब कुछ योजना के अनुसार रहा तो अप्रैल तक निर्माण कार्य प्रारंभ हो सकता है और दो वर्षों में एलिवेटेड ब्रिज बनकर तैयार हो जाएगा.

जाम से निजात मिलेगी-इन एलिवेटेड ब्रिज के निर्माण से उज्जैन शहर में लगने वाले जाम से बड़ी राहत मिलेगी, महाकाल मंदिर आने-जाने में सुविधा बढ़ेगी और कई प्रमुख मार्ग आपस में जुड़ जाएंगे. साथ ही सिंहस्थ 2028 के दौरान देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा. यह परियोजना उज्जैन के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम मानी जा रही है.

4 .75 लाख करोड़ का आंकड़ा पार करेगा बजट

वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को लेकर सीएम के सामने दिया गया प्रेजेंटेशन

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 10 फरवरी. वित्तीय वर्ष 2026-27 में राज्य सरकार का बजट 4 लाख 75 हजार करोड़ रुपए के आंकड़ को पार कर सकता है. बजट में पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग 15 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है.

वहीं, राजकोषीय घाटे को सरकार 4.50 फीसदी के दायरे में लाने की कोशिश करेगी. राज्य सरकार का बजट 18 फरवरी को विधानसभा में पेश होगा. इससे

एक दिन पहले मप्र का आर्थिक सर्वेक्षण भी पेश होगा. नए वित्तीय वर्ष के बजट को लेकर मंगलवार को मंत्रालय में पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामने प्रेजेंटेशन दिया गया, बाद में पूरी कैबिनेट के सामने अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी ने प्रेजेंटेशन दिया. ये प्रेजेंटेशन लगभग एक घंटे तक चला. इस दौरान सभी विभागों से जुड़ी प्रावधानों के बारे में बताया गया. मौजूदा वित्तीय वर्ष का बजट 4 लाख 21 हजार 32 करोड़ रुपए का है. इस हिसाब से देखें तो नये बजट में कम से कम 54 हजार करोड़ से अधिक की बढ़ोतरी होगी. बजट में सबसे अधिक राशि का प्रावधान यदि किसी एक योजना के लिए होगा तो वह मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना होगा, जिसके लिए इस बार राज्य सरकार 21 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि का प्रावधान करेगी. इसी तरह एक बार फिर जल जीवन मिशन के लिए भारी-भरकम राशि का इंतजाम करने की जिम्मेदारी भी राज्य सरकार के कंधे पर होगी, ये इसलिए कि अब तक केंद्र सरकार ने मिशन के तहत हुए कामों का 8 हजार करोड़ रुपए का बकाया केंद्र सरकार से नहीं मिला है.

> हांलाकि राज्य सरकार इस मामले में केंद्र से लगातार संवाद बनाए हुए है. बजट प्रेजेंटेशन को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट प्रस्तावों में सभी क्षेत्रों और वर्गों के विकास तथा कल्याण का ध्यान रखा गया है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बजट प्रस्तावों को वर्तमान परिस्थितियों में बेहतर बताते हुए उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के दृष्टिकोण तथा प्रस्ताव तैयार करने में विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा किए गए परिश्रम की सराहना की.

दिन में धूप और रात में पड़ रही ठंड

भोपाल, 10 फरवरी. राजधानी भोपाल सहित प्रदेश भर में मंगलवार का मौसम साफ और हल्का गर्म बना रहा. दिन में तेज धूप निकलने से तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि सुबह और रात के समय हल्की ठंड का असर बना रहा.

मौसम विभाग के अनुसार आज शहर का अधिकतम तापमान करीब 29 डिग्री और न्यूनतम तापमान लगभग 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया. वहीं पिछले चौबीस घंटों में सभी संभागों में बारिश या विशेष मौसम परिवर्तन दर्ज नहीं हुआ. ग्वालियर और चंबल संभाग में अधिकतम तापमान लगभग दो से ढाई डिग्री तक बढ़ा, जबकि अन्य संभागों में तापमान सामान्य रहा.

अगले 24 घंटे का अनुमान

मौसम विभाग के अनुसार भोपाल समेत मध्य प्रदेश के इंदौर, देवास, उज्जैन, ग्वालियर सहित कई हिस्सों में अगले 24 घंटे मौसम में दिन में तेज धूप, रात में हल्की ठंड महसूस हो सकती है. कुछ क्षेत्रों में हल्की ठंडी हवा चलने की संभावना भी है. वहीं आने वाले दिनों में तापमान धीरे-धीरे बढ़ने की संभावना है. सप्ताह के दौरान अधिकतम तापमान लगभग 30 से 33 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 16 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है.

साथ ही उज्जैन और ग्वालियर संभाग में अधिकतम तापमान सामान्य से लगभग डेढ़ डिग्री अधिक दर्ज किया गया. न्यूनतम तापमान उज्जैन संभाग में करीब 4 डिग्री तक बढ़ा जबकि अन्य क्षेत्रों में खास बदलाव नहीं हुआ. चंबल संभाग में न्यूनतम तापमान सामान्य से लगभग 2 डिग्री अधिक रहा.

खुश खबर खुश खबर खुश खबर
उज्जैन व्यापार मेला
आइये और पाइये वर्ष 2026 की सबसे बेहतरीन डील
आर.टी.ओ. टैक्स पर 50% की छूट

इसके अलावा और भी अन्य लाभ प्राप्त करने के लिए आज ही अपनी मारुती सुजुकी कार मॉडल तय कर बुक करे,
मेले का लाभ वाहन उपलब्ध होने पर ही दिया जायेगा, तो आज ही अपना वाहन बुक करे और मेले का लाभ प्राप्त करे।
युग कार्स (मारुति शो-रूम)
नागझिरी देवास रोड, उज्जैन
मोबाइल: 7389901262, 9755510100, 9752530200
मारुति ऑउटलेट उज्जैन तहसील
नागदा : नागदा बाईपास जावरा रोड 9009140508
तराना : तोतला मार्ग 9589090827
बड़नगर : रुनिजा रोड 9993566820
महिदपुर : घोंसला रोड, नारायण सिंह सोलंकी 9109107176
खाचरौद : पटेल नगर बड़नगर रोड 9993566910
घट्टिया : जगोटी रोड के पास, आगर रोड 8959600100
इंगोरिया : उज्जैन - नागदा रोड, इंगोरिया 9340294804

दो और जिंदगियां बुझीं, आंकड़ा पहुंचा 35

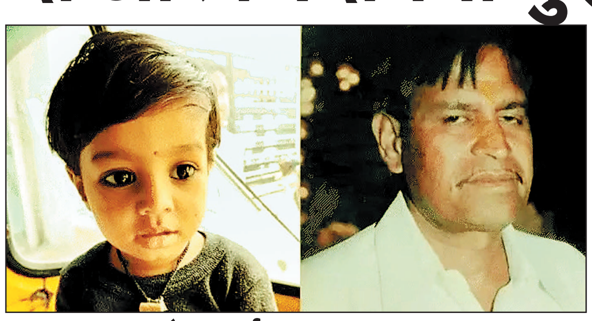

75 साल के बुजुर्ग ने 40 दिन तक किया मौत से संघर्ष

02 साल की मासूम को थी लिवर की गंभीर समस्या

नव भारत न्यूज

इंदौर, 10 फरवरी. भागीरथपुरा में गंदे और दूषित पानी का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा. सोमवार रात एक बुजुर्ग और मंगलवार सुबह एक मासूम बच्ची की मौत के साथ इस त्रासदी में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 35 तक पहुंच गई है.

> शालिग्राम की बेटी मोना बघेल का कहना है कि उनके पिता को वर्षों पहले लकवा जरूर हुआ था, लेकिन इसके अलावा कोई गंभीर बीमारी नहीं थी. अचानक उल्टी-दस्त के बाद से ही तबीयत बिगड़ी और वे संभल नहीं सके. वहीं अस्पताल प्रबंधन का दावा है कि मरीज को पहले से हृदय संबंधी समस्या थी. इधर मंगलवार तड़के करीब 4:30 बजे दो साल की मासूम रिया ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. परिजन बताते हैं कि 27 दिसंबर को उल्टी-दस्त से बीमार होने पर उसे निजी अस्पताल में दिखाया था, जहां कुछ सुधार हुआ, लेकिन बाद में हालत फिर बिगड़ गई. करीब 15 दिन पहले बच्ची को नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने लिवर से जुड़ी गंभीर परेशानी बताई. बाद में सुपर स्पेशियालिटी हॉस्पिटल रेफर किया गया, लेकिन जान नहीं बच सकी. परिजनों का सीधा आरोप है कि इलाके में आ रहा दूषित पानी ही बीमारी की जड़ है, जिसने मासूम के शरीर को अंदर तक खोखला कर दिया.

जिससे इलाके में दहशत और आक्रोश दोनों चरम पर हैं.

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार रात 75 वर्षीय शालिग्राम ठाकुर ने बॉम्बे हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया था, परिजनों ने बताया कि 2 जनवरी को उल्टी-दस्त की गंभीर हालत में उन्हें पहले शेल्बी अस्पताल और फिर बॉम्बे हॉस्पिटल रेफर किया था, जहां वे लंबे समय तक वेंटिलेटर पर रहे, करीब 12 दिन पहले छुट्टी मिलने के बाद घर लौटे थे, लेकिन हालत फिर बिगड़ती चली गई.

निकाय और पंचायत चुनाव में आईटी का बेहतर उपयोग करेगा आयोग

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने की समीक्षा बैठक

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 10 फरवरी. मप्र राज्य निर्वाचन आयोग आगामी नगरीय निकाय एवं पंचायत आम निर्वाचन-2027 में सूचना प्रौद्योगिकी का बेहतर उपयोग करेगा. इससे निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने में मदद मिलेगी.

राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने मंगलवार को इस कार्य की समीक्षा की. उन्होंने कहा कि सभी तैयारियां समय-सीमा में पूरी करें. बैठक में केन्द्र सरकार की संस्था एनआईसीएसआई के प्रतिनिधि ने स्थानीय निर्वाचन में मतदाता, मतदान, ट्रेकिंग टूल, लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक एवं एआई. आधारित मतदाता सूची एवं मतदाता सत्यापन सहित अन्य सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित विषयों पर विस्तार से प्रेजेंटेशन दिया.

पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
APM (Elect.), W. Rly. Dahod invites **Tender Notice No. W722-1-2025-26-18 Date:- 09.02.2026. 1. Name of Work:** फ्रीलैंडगंज रेलवे कॉलोनी दाहोद में रोशनी के स्तर में सुधार। सहायक परियोजना प्रबन्धक (बिजली), 'सी' साइट, फ्रीलैंडगंज, दाहोद - 389160 (गुजरात)। **2. Approximate Cost of the work:** ₹ 45,51,022/- **3. Date & time of Submission & opening of E-Tender:** Submission Up to 15.00 Hrs on **05.03.2026** and the tenders will be opened at 15.30 Hrs on the same day. **4.** The Tender Notice and documents uploaded on the website **www.ireps.gov.in** / E-Tenders / Works / IR Electrical by this office. V/452
हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly

रेल सुरक्षा को मजबूत करेगा 'चालक दल ऐप'

भोपाल, 10 फरवरी. भारतीय रेलवे में सुरक्षित और सुचारु रेल परिचालन सुनिश्चित करने की दिशा में रनिंग स्टाफ के लिए गुणवत्तापूर्ण विश्राम एवं सुविधाजनक ठहराव को एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है.

इसी क्रम में रेलवे द्वारा रनिंग रूम से संबंधित शिकायतों के त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण के लिए डिजिटल माध्यमों को सशक्त किया जा रहा है. रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र द्वारा विकसित 'चालक दल ऐप' के माध्यम से लोको पायलट, सहायक लोको पायलट एवं ट्रेन प्रबंधक को रनिंग रूम से जुड़ी शिकायतें सीधे दर्ज करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है. यह व्यवस्था विभिन्न स्तरों

पर निगरानी को सरल बनाते हुए शिकायतों के शीघ्र समाधान एवं प्रभावी अनुपालन में सहायक सिद्ध हो रही है. हालांकि, यह भी देखा गया है कि कुछ स्थानों पर रनिंग रूम की शिकायतें अभी भी केवल रजिस्टरों अथवा स्थानीय रूप से विकसित प्रणालियों में दर्ज की जा रही हैं,

पेज एक का शेष

एमपी में अब परिवार पेंशन का बढ़ा दायरा

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति और ई-सेवा पुस्तिका संबंधी प्रावधान किया गया है. केन्द्र तथा मप्र शासन की पूर्व सेवाओं को जोड़ा जायेगा. निलम्बन अवधि में अभिदाता तथा नियोक्ता के अंशदान का प्रावधान किया है.

इसके साथ ही राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए विस्तृत एवं स्पष्ट प्रक्रिया, अंशदान की दर, गणना एवं विलंब की स्थिति में उत्तरदायित्व निर्धारण के साथ सेवानिवृत्ति, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र एवं मृत्यु की दशा में निकास प्रावधान किया गया है. राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत आने वाले शासकीय सेवकों के लिए उपदान की पात्रता निर्धारण एवं भुगतान की सुस्पष्ट प्रक्रिया होगी. विभागीय जांच (सेवा निवृत्ति उपरांत) आदेश के संदर्भ में उपदान से वसूली संभव होगी.

विभागीय जांच की अवधि में नियोक्ता के अंशदान का भुगतान रोका जाने का प्रावधान किया गया है. इसी तरह सेवानिवृत्ति के तीन माह पूर्व अभिदाता अंशदान रोका जाना और सेवानिवृत्ति के बाद विभागीय जांच संस्थित किये जाने का प्रावधान के साथ नियमों में बदलाव का अधिकार राज्य सरकार के पास रहेगा.

ये निर्णय भी लिए

- वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 तक जनजातीय कार्य और महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की निरंतरता के लिए 7,133 करोड़ 17 लाख रूपये की स्वीकृति.
-उच्च न्यायालय और जिला न्यायालय के आई टी संवर्ग में कार्यरत कर्मचारियों को तकनीकी संवर्ग की प्रचलित और भावी भर्ती प्रक्रियाओं में भाग लेने के लिए सिर्फ एक बार के लिए आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट की स्वीकृति प्रदान की गई. वर्तमान में अनारक्षित वर्ग के लिए 40 वर्ष और आरक्षित वर्ग के लिए 45 वर्ष की आयु सीमा निर्धारित है.

फाइलेरिया | एमडीए-2026 अभियान का किया वर्चुअल शुभारंभ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने

2027 तक देश को फाइलेरिया मुक्त बनाने के प्रयास

12 राज्यों के 124 जिलों में 2 सप्ताह तक चलेगा अभियान

भोपाल 10 फ़रवरी. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने 12 राज्यों के 124 जिलों के लिए 'मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अभियान 2026' का नई दिल्ली से वर्चुअल शुभारंभ किया.

उन्होंने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अपील की कि वे प्रशासनिक और राजनीतिक नेतृत्व, सांसद, विधायक, पंचायत प्रतिनिधियों और जिला परिषद सदस्य सहित सभी स्तरों पर

समन्वित प्रयास करें. उन्होंने कहा कि दवा का सेवन केवल वितरण तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक तक यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि दवा पूरी मात्रा में ली जाए. केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा ने कहा कि भारत सरकार 2027 तक लसीका फाइलेरिया को पूरी तरह समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने राज्यों से अपील की कि वे अभियान के दौरान सभी आवश्यक संसाधनों और जागरूकता गतिविधियों को सुनिश्चित करें. उन्होंने कहा कि हर नागरिक की भागीदारी और दवा का समय पर सेवन ही इस गंभीर रोग को समाप्त करने की कुंजी है. उन्होंने कहा कि यह अभियान लसीका फाइलेरिया उन्मूलन रणनीति का अहम घटक है. उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल सहित 12 राज्य के स्वास्थ्य मंत्रियों, विभागीय अधिकारियों ने वर्चुअल सहभागिता की.

> उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने अपील की है कि वे नागरिक स्वयं दवा का सेवन करें, अपने परिवार जन और पड़ोसियों को जागरूक करें और स्वयंसेवक के रूप में अभियान में सक्रिय सहयोग दें. उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी अभियान की सफलता और मध्यप्रदेश को फाइलेरिया मुक्त राज्य बनाने में निर्णायक होगी. उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया और कहा कि इस अभियान में सामुदायिक नेतृत्व और पंचायतों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है. प्रदेश में 8 जिलों के 12 चिन्हित विकासखण्डों में प्रशिक्षित दवा सेवकों के माध्यम से बूथ डे एवं घर-घर भ्रमण के दौरान फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन समस्त पात्र हितग्राहियों को कराया जाएगा.

ओरिक्स लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज इंडिया लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: प्लॉट नंबर 94, मारोल सहकारी औद्योगिक एस्टेट, अंधेरी-कुर्ला रोड, अंधेरी (पूर्व), मुंबई-400059, वेबसाइट: www.orixindia.com; दूरभाष: 022-67070100

परिशिष्ट-IV-A [नियम 8(6) के परंतुक देखें] अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8 (6) के परंतुक के अंतर्गत अचल परिसंपत्तियों की नीलामी बिक्री हेतु सार्वजनिक सूचना। एतद्द्वारा आम जनता और विशेष रूप से उधारकर्ता(ओं) एवं गारंटर(ओं) को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति, जो सुरक्षित ऋणदाता के पास गिरवी/बंधक है और जिसका प्रतीकात्मक कब्जा सुरक्षित ऋणदाता के अधिकृत अधिकारी, अर्थात ओरिक्स लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज इंडिया लिमिटेड द्वारा ले लिया गया है, को "जैसा है, जहां है", "जैसा है, जो है" और "जो कुछ भी उपलब्ध है" के आधार पर 13.03.2026 को https://bankauctions.in के माध्यम से सार्वजनिक नीलामी द्वारा बेचा जाएगा। यह नीलामी ओरिक्स लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज इंडिया लिमिटेड को नीचे उल्लिखित उधारकताओं और सह-उधारकताओं से देय राशि की वसूली हेतु की जाएगी। आरक्षित मूल्य और बयाना राशि (ईएमडी) नीचे उल्लिखित हैं। ईएमडी और अन्य दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि 12.03.2026 है।

ऋण लेने वालों के नाम और सह-ऋण लेने वालों के नाम / बकाया राशि / ऋण खाता संख्या / मांग सूचना की तिथि	संपत्ति/सुरक्षित परिसंपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य (INR) / बयाना जमा (EMD) / बोली/दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि / बोली वृद्धि राशि
1. अजय कुमार रायसिंघानी 2. महिमा रायसिंघानी 3. विजय रससिंघानी 4. लाजवंती संगतानी 5. धर्मी रायसिंघानी 6. मीना रायसिंघानी	फ्लैट संख्या 05, दूसरी मंजिल, लगभग 652 वर्ग फुट (सुपर बिल्ट-अप एरिया) का पूरा भूखंड, शेठ अपार्टमेंट, प्लॉट संख्या 7-बी के दक्षिणी भाग, कैलाश पार्क कॉलोनी, इंदौर (मध्य प्रदेश) में स्थित है, जिसकी सीमाएँ इस प्रकार हैं: उत्तर: प्लॉट संख्या 6, दक्षिण: प्लॉट संख्या 7-सी, पूर्व: 30 फुट चौड़ा रास्ता, पश्चिम: फ्लैट संख्या 6/2	रू. 26,10,000/- (छब्बीस लाख दस हजार मात्र)
		रू. 2,61,000/- (दो लाख इकसठ हजार मात्र)
रू. 72,54,484.32/- (बहत्तर लाख चौवन हजार चार सौ चौरासी और बत्तीस पैसे मात्र) 31.01.2026 तक	सुरक्षित लेनदार के पास उपलब्ध संपत्ति/सुरक्षित परिसंपत्ति पर कब्जे की प्रकृति: प्रतीकात्मक कब्जा	रू. 50,000/- (पचास हजार मात्र)
LN0000000017622		
10.08.2022		
1. अजय कुमार रायसिंघानी 2. महिमा रायसिंघानी 3. विजय रससिंघानी 4. लाजवंती संगतानी 5. धर्मी रायसिंघानी 6. मीना रायसिंघानी	दीपशिखा अपार्टमेंट, दूसरी मंजिल पर स्थित फ्लैट संख्या 15 का पूरा भूखंड, जिसका क्षेत्रफल लगभग 630 वर्ग फुट (सुपर बिल्ट-अप एरिया) है, प्लॉट संख्या 8/3, मनोरमगंज (गली), इंदौर (मध्य प्रदेश) में स्थित है और जिसकी सीमाएँ इस प्रकार हैं: उत्तर: खुला स्थान, दक्षिण: फ्लैट कॉरिडोर और फ्लैट संख्या 16, पश्चिम: फ्लैट संख्या 14, पूर्व: बालकनी और फ्लैट संख्या 16 का कमरा	रू. 28,35,000/- (अठ्ठाईस लाख पैंतीस हजार मात्र)
		रू. 2,83,500/- (दो लाख तेरासी हजार पॉच सौ मात्र)
रू. 72,54,484.32/- (बहत्तर लाख चौवन हजार चार सौ चौरासी और बत्तीस पैसे मात्र) 31.01.2026 तक	सुरक्षित लेनदार के पास उपलब्ध संपत्ति/सुरक्षित परिसंपत्ति पर कब्जे की प्रकृति: प्रतीकात्मक कब्जा।	रू. 50,000/- (पचास हजार मात्र)
LN0000000017622		
10.08.2022		

बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, कृपया ओरिक्स लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट पर दिए गए लिंक, यानी https://www.orixindia.com/sales-notice.php पर जाएं।

दिनांक: 05.02.2026
एसडी- अधिकृत अधिकारी
ओरिक्स लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज इंडिया लिमिटेड

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 **RNI Reg. No.7590/60**